

## طراح: محمودزاده

واژه‌های استعاره‌ساز(۱)

- |                       |                                       |
|-----------------------|---------------------------------------|
| ۱ - نورگس: جسم        | ۲ - نم: اشک                           |
| ۳ - سرو: قامت - معشوق | ۴ - آب: اشک - باده                    |
| ۵ - آینه: دل          | ۶ - خسرو خوبان: معشوق                 |
| ۷ - خدنگ: مژگان       | ۸ - حور: معشوق                        |
|                       | ۹ - گوش دل                            |
|                       | ۱۰ - عقیق: لب - اشک                   |
|                       | ۱۱ - دُر: اشک - دندان                 |
|                       | ۱۲ - شمع: معشوق                       |
|                       | ۱۳ - پسته: دهان                       |
|                       | ۱۴ - خورشید: معشوق                    |
|                       | ۱۵ - سیلاپ: اشک - عمر                 |
|                       | ۱۶ - محیط: دنیا                       |
|                       | ۱۷ - چشمۀ حیوان: معشوق                |
|                       | ۱۸ - قطرۀ باران: اشک                  |
|                       | ۱۹ - ماه: چهره - معشوق                |
|                       | ۲۰ - پیراهن: گلبرگ‌های گل             |
|                       | ۲۱ - طوطی: شاعر                       |
|                       | ۲۲ - بخت: معشوق                       |
|                       | ۲۳ - مرغ چمن: عاشق - معشوق            |
|                       | ۲۴ - یوسف: معشوق                      |
|                       | ۲۵ - دل گلاب                          |
|                       | ۲۶ - جام جهان‌بین: دل عارف            |
|                       | ۲۷ - دست باد                          |
|                       | ۲۸ - صید حرم: عاشق                    |
|                       | ۲۹ - چاه زندگان: فرورفتگی چانه        |
|                       | ۳۰ - کام ظلم                          |
|                       | ۳۱ - سایه دانایی                      |
|                       | ۳۲ - خندۀ جام                         |
|                       | ۳۳ - دست خیال                         |
|                       | ۳۴ - شحنة نجف: حضرت علی(ع)            |
|                       | ۳۵ - قاطغان طریق: وقایع روزگار - زمان |
|                       | ۳۶ - دیر مغاک: دنیا                   |
|                       | ۳۷ - دامن زمزمه                       |
|                       | ۳۸ - زهر: سختی‌ها                     |
|                       | ۳۹ - چرخ: آسمان                       |
|                       | ۴۰ - شکرفروش: معشوق                   |
|                       | ۴۱ - سرو دزهره                        |
- ماهی وجی**  
گروه آمادهٔ عصر
- [www.my-dars.ir](http://www.my-dars.ir)
- گل: چهره - معشوق  
لعل: لب - باده  
آتش: عشق - اشک باده - هجران.....  
کمند: گیسو  
زنگار: کینه و کدورت - تیرگی شب  
وادی: عشق - دنیا....  
قنادیل: ستارگان  
صنم: معشوق  
عنان دل  
لولو: اشک  
گلاب: اشک  
خار مغیلان: دشواری‌ها  
خون: اشک - باده  
دل شب  
نگار: معشوق  
دامن مقصود  
سنگ: دل  
چشم دل  
باران: اشک  
دماغ جان  
شکر: شعر  
چهره مقصود  
گوهه: شعر شاعر  
کلبة احزان: دل عاشق  
در رنج  
آصف: وزیر سلیمان استعاره از جلال الدین تورانشاه  
بلبل غزلخوان: شاعر  
خيال پروانه  
نوگل: معشوق  
چشم خرد  
ناله چنگ  
دست غم  
کمان: ابرو - قامت  
گردن صبر  
مهندس فلکی: خداوند  
ثورک: معشوق  
شنیدن از باد  
تریاق: خوشی‌ها  
غزال: معشوق  
عندليب: عاشق  
جان: معشوق

# ماهی درس

## گروه آموزشی عصر

[www.may-dars.ir](http://www.may-dars.ir)

- |                           |                                      |
|---------------------------|--------------------------------------|
| مستان: چشمان              | ۴۲- جادو: چشم                        |
| شاخ سخن                   | ۴۳- گنج روان: معشوق                  |
| خون شقایق                 | ۴۴- آبروی فقر                        |
| نازیدن سرو                | ۴۵- تنعم گل                          |
| در معنی                   | ۴۶- گلبن: معشوق                      |
| ای باد                    | ۴۷- دیده بخت                         |
| خونابه: اشک               | ۴۸- نهانخانه: دل                     |
| آستان مراد                | ۴۹- شمع چگل: معشوق                   |
| طاير قدس: معشوق           | ۵۰- ای غم                            |
| غماز: اشک                 | ۵۱- دست شب                           |
| بال و پر ما               | ۵۲- آتش دل                           |
| مشک: موی سیاه             | ۵۳- کافور: موی سفید                  |
| تیر: نگاه و مژگان         | ۵۴- بیخ صحبت                         |
| زمام اختیار               | ۵۵- سیلاپ: اشک                       |
| خرمن: دل                  | ۵۶- در امید                          |
| کیمیای فتوح: باده و عنایت | ۵۷- گفتنه: اعمال                     |
| بازوی صبر                 | ۵۸- شرم آفتاب                        |
| دامن سحر                  | ۵۹- امیر خوبان: معشوق                |
| دست صبا                   | ۶۰- ماء معین: معشوق                  |
| ناوک: مژگان               | ۶۱- عنان عقل                         |
| طاير قدسی: معشوق          | ۶۲- گوش نی                           |
| منزل: دنیا و عقبی         | ۶۳- عمر: معشوق                       |
| ملک سلیمان: شیراز         | ۶۴- زندان سکندر: شهر یزد در شعر حافظ |
| خون ارغوان                | ۶۵- سنبل: گیسو                       |
| گلان: دوتا گونه و رخشار   | ۶۶- فندق: ناخن حنابسته               |
| ستگ: انسان                | ۶۷- ارغوان: چهره                     |
| مشک: مو                   | ۶۸- گوهه: انسان قابل                 |
| گهه: سخنان                | ۶۹- مروارید خوشاب: دندان ها          |
| شکر: دهان                 | ۷۰- حقه: دهان                        |
| دیو: نفس                  | ۷۱- مروارید: دندان                   |
| ژاله: اشک                 | ۷۲- سلیمان: دل                       |
| عناب: لب                  | ۷۳- تگر گک: دندان                    |
| قبله: معشوق               | ۷۴- گنبد مینا: آسمان                 |
| صفا: معشوق                | ۷۵- مروده: عاشق                      |
| دوا: عشق و عنایت          | ۷۶- طبیب: معشوق                      |
| بهار: معشوق               | ۷۷- ملک: خدا و معشوق                 |
| شمشاڈ: قامت               | ۷۸- یاقوت: لب                        |
| اژدهای دمان: رخش رستم     | ۷۹- باغ: دنیا                        |
| بوستان: وجود معشوق        | ۸۰- سمن: چهره                        |
| آستانه فضل                | ۸۱- عنبر سارا: زلف                   |
| کاهدان: شکم               | ۸۲- کاه: غذا                         |
| زمام مراد.....            | ۸۳- درخت: وجود انسان                 |